13.29 hrs.

Title: Issue of economically backward districts of Bihar.

डॉ. रघुवंश प्रसाद सिंह (वैशाली) : उपाध्यक्ष महोदय, 1997-98 में देशभर में समिति बिठा कर सौ ऐसे जिलों का चयन किया गया जो आर्थिक मामलों में सबसे ज्यादा पिछड़े क्षेत्र हैं। सरकार ने रीजनल डिसपैरिटी और रीजनल इमबैलैंसेज़ को खत्म करने का फैसला लिया लेकिन संयोग से कैलकुलेशन में देखा गया है कि सौ जिलों में से ज्यादा जिले बिहार के ही हैं और यह सरकार बिहार के साथ भेदभाव करती है, इसलिए उस योजना को ही ठप्प किए हुए है, लागू नहीं कर रही है। मैं ध्यान आकृट करना चाहता हूं कि किसी देश के एक हिस्से को ज्यादा जिले आ गए, उसके साथ भेदभाव, उपेक्षा और दुश्मनी वाला व्यवहार करना, रीजनल इमबैलैंसेज़ पर आना, इससे देश को खतरा है। बिहार के साथ भेदभाव किया जा रहा है। सभी लोगों ने कहा कि पुनर्गठन के समय आर्थिक पैकेज देना चाहिए। लेकिन एक साल बीत गया, अभी तक एक पैसा नहीं दिया गया। फिर कहा गया कि कर्जा माफ होगा। सारे सांसदों ने प्रधान मंत्री जी के यहां ज्ञापन दिया, राज्य सरकार ने ज्ञापन दिया लेकिन न कर्जा माफ हुआ, न विशेा राज्य का दर्जा दिया गया। सभी पार्टी के लोगों ने सर्वसम्मत फैसला किया कि एक लाख 79 हजार करोड़ रुपये आर्थिक पैकेज मिलेगा।

बिहार हर साल बाढ़, सुखाड़ से तबाह है। इस तरह से यह सरकार क्षेत्रीय विमता बढ़ा रही है और भेदभाव कर रही है। हालांकि हमारे 56 सांसद हैं, ये सभी एक दिन तन जायें तो सरकार को ठीक कर सकते हैं, लेकिन एन.डी.ए. के जो सांसद और मंत्री हैं,â€¦* जनता का कोई हित नहीं कर रहे हैं। इसलिए सरकार को खड़े होकर बताना चाहिए कि प्रधानमंत्री को ज्ञापन दिया गया था और मंत्री ने सदन में बयान दिया था कि हम देंगे, क्षेत्रीय असंतुलन के लिए सैल बनाएंगे, लेकिन अभी तक कुछ नहीं हुआ, 15 नवम्बर, 2000 को एक साल बीत गया।â€¦ (व्यवधान)

नागर विमानन मंत्री (श्री सैयद शाहनवाज़ हुसैन) : â€¦ यह असंसदीय शब्द है।

डॉ. रघुवंश प्रसाद सिंह : इससे बिहार पीछे छूट जायेगा और हिन्दुस्तान आगे नहीं बढ़ सकता। जॉन व्हिटल ने लिखा है:- Bihar is the heart of India.

श्री सईदुज्जमा (मुजफ्फर नगर) : ये कह रहे हैं कि ... जो असंसदीय है।

डॉ. रघुवंश प्रसाद सिंह : और बिहार के साथ अन्याय हो रहा है, यह संसदीय है? कौन संसदीय शब्द को तय करने वाला है? â€¦ (व्यवधान)

MR. DEPUTY-SPEAKER: I will look into that word and if it is unparliamentary, I will expunge it.

डॉ. रघुवंश प्रसाद सिंह : महोदय, किसानों के साथ अन्याय हो रहा है, वहां प्रिक्योरमेंट नहीं हो रहा है। जहां-जहां एन.डी.ए. की हुकूमत है, वहां प्रिक्योरमेंट हो रहा है और बिहार में प्रिक्योरमेंट नहीं हो रहा है। बिहार के साथ इस तरह से अन्याय हो रहा है। बिहार के साथ झारखण्ड की 8.5 करोड़ जनता के साथ भी अन्याय हो रहा है। हम हिन्दुस्तान का दसवां हिस्सा हैं और इस तरह का अन्याय बर्दाश्त नहीं किया जा सकता। ये इसमें रैस्पोंड नहीं करेंगे और हमने कुछ कड़ा शब्द कह दिया तो इस पर खड़े हो गये, लेकिन हमने जो बिहार का सवाल उठाया है, बिहार को एक पैसा नहीं दिया गया, बिहार की उपेक्षा हो रही है, सारे सांसद बोले, हमने मिलकर प्रधानमंत्री को ज्ञापन दिया था, उस पर क्या हुआ? सरकार बताये कि क्या करने जा रही है और इनको क्या करना है। यह जो भेदभाव है, इस पर रैस्पोंड करने के लिए कोई मंत्री क्यों नहीं उठ रहा है? वे प्रधानमंत्री तक यह सवाल पहुंचाएंगे कि नहीं पहुंचाएंगे, यह बतायें? 60 सांसदों ने

* Expunged as ordered by the Chair

मिलकर ज्ञापन दिया है। यह तो कल ही फैसला हुआ है कि जैन्युइन सवाल हम उठा रहे हैं तो सरकार रैस्पोंड क्यों नहीं कर रही है। इसी पर हम लोग अड़ेंगे तो यह होगा कि सदन में हम लोग बाधा पहुंचाते हैं कि सरकार बाधा पहुंचाती है, यह फैसला होना चाहिए, नहीं तो इस तरह से जो चहेते लोग हैं, वे सवाल उठाते हैं तो धड़ से मंत्री खड़े हो जाते हैं, लेकिन हम सवाल उठाते हैं तो संसदीय कार्य मंत्री महोदय भाग गये। â€¦ (व्यवधान)

श्री राम टहल चौधरी (रांची) : अब तो हमें बोलने दीजिए। â€¦ (व्यवधान)

डॉ. रघुवंश प्रसाद सिंह : आप सरकार के समर्थक हैं, सरकार को क्यों नहीं चेताते हैं। मैंने झारखण्ड का भी सवाल उठाया है।â€¦ (व्यवधान)

MR. DEPUTY-SPEAKER: Shri Ram Tahal chaudhary, you are not asked to give a reply to him.

श्री राम टहल चौधरी : यह अगर बोलना बन्द नहीं करेंगे तो हम कैसे बोलेंगे।â€¦ (व्यवधान)

डॉ. रघुवंश प्रसाद सिंह : सरकार रैस्पोंड नहीं कर रही तो हम बैठ जायें क्या? सरकार को इस पर बोलना है कि नहीं, सुनकर सरकार टुकर-टुकर ताक रही है। प्रधानमंत्री को हमने ज्ञापन दिया था, इस पर क्या रैस्पोंड हुआ, साल भर बीत गया? â€¦ (व्यवधान)

उपाध्यक्ष महोदय : आप कहिये, सम्बन्धित मिनिस्ट्री को भेज देंगे।

डॉ. रघुवंश प्रसाद सिंह : बिहार के साथ अन्याय हो रहा है, इस पर आप लोगों को विचार नहीं करना है? आप लोगों को अच्छा लग रहा है, सरकार बिहार का अपमान कर रही है? â€¦ (व्यवधान)

श्री खारबेल स्वाइं (बालासोर) : आप ही का दुख है और किसी का दुख नहीं है।

डॉ. रघुवंश प्रसाद सिंह : इस पर सरकार रैस्पोंड करेगी कि नहीं? सरकार को निदेश दिया जाये, बिना निदेश के यह सरकार मानने वाली नहीं है, संवेदनशीलता खत्म है, संवेदनहीनता हो गई है और डिस्क्रिमिनेशन, पिक एण्ड चूज, उपेक्षा और अन्याय करने का काम यह सरकार कर रही है, क्षेत्रीय विमता पैदा कर रही है, इसे देखा जाये। बिहार के साथ अन्याय होता है, इस तरह कैसे काम चलेगा और कैसे यहां पर न्याय होगा। यह सर्वोच्च सदन है, यहां न्याय नहीं होगा तो कहां न्याय होगा। आप तो हम लोगों के संरक्षक हैं, देखने वाले हैं, वे क्यों नहीं बोल रहे हैं?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF PETROLEUM AND NATURAL GAS AND MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF PARLIAMENTARY AFFAIRS (SHRI SANTOSH KUMAR GANGWAR): Sir, first of all I

would request the hon. Member to speak parliamentary language, कल ही हमने प्रस्ताव पारित किया है।

MR. DEPUTY-SPEAKER: It is not your look out. It is for me to decide. Please do not do that. If it is unparliamentary, I will ask him to withdraw.

SHRI SANTOSH KUMAR GANGWAR: I am sorry Sir. मेरा आपसे आग्रह है कि माननीय प्रधानमंत्री जी को उन्होंने पत्र लिखा है। उस पत्र के संदर्भ में प्रक्रिया की जानकारी उनको अवगत है। इस बारे में मैं उनका ध्यान आकृट करूंगा।

डा. रघुवंश प्रसाद सिंह : इतना समय हो गया है, लेकिन कुछ हल नहीं निकला।

MR. DEPUTY-SPEAKER: Dr. Raghuvansh Prasad Singh, you have to keep quiet now.